वैरूपेण विशोजसा। हिवरिन्द्रे वयादधः। शारदे-नर्तुना देवाः। एकविश्शच्यभवःस्तृतं। वैराजेन श्रिया श्रियं। हिवरिन्द्रे वयादधः। हेमन्तेनर्तुना देवाः। मस्तिस्त्रिणवे स्तृतं। बलेन श्रक्षरोः सहः। हिवरिन्द्रे वयादधः॥ श्रीशरेणर्त्तुना देवाः। चयस्त्रिश्शस्त्रश् स्तृतं। सत्येन रेवतीः श्रृचं। हिवरिन्द्रे वयादधः॥२॥ स्त्रोम सप्तदशे स्तृतः सहा हिवरिन्द्रे वयादधः॥२॥ स्ताम सप्तदशे स्तृतः सहा हिवरिन्द्रे वयादधः॥२॥

वसन्तेन गुष्मेण वर्षाभिः शार्देन हेमन्तेन शैशि-

विंग्राऽन्वाकः।

देवं बर्हिरिन्दं वयाधमं। देवं देवमवर्डयत्। गाय विया छन्दमेन्द्रियं। तेजइन्द्रे वयादधत्। वमुवने व-मुधेयस्य वेतु यज। देवीर्द्वारी देविमन्द्रं वयाधमं। दे वीर्देवमवर्डयन्। उष्णिहा छन्दमेन्द्रियं। पृाणिमन्द्रे वयादधत्। वमुवने वसुधेयस्य वियन्तु यजं॥ १॥

देवी देवं वयाधमं। उषेद्रन्द्रं मवर्डतां। अनुष्टुमा छन्दमेन्द्रियं। वाचिमिन्द्रे वयादधत्। वसुवने वसुधे-यस्य वीतां यजं। देवी जाष्ट्री देविमन्द्रं वयाधमं। देवी